# भारत - तुवालू संबंध

1999 में सुवा में भारतीय उच्चायोग को पुन: खोले जाने के बाद से भारत और तुवालू के बीच संपर्क लगातार बढ़े हैं।

तुवालू वर्ष 2005 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सुधार के संबंध में जी-4 के प्रारूप संकल्प के 34 सह-प्रायोजकों में से एक था। तुवालू ने नवंबर, 2007 में कम्पाला में हुए राष्ट्रमंडल महासचिव के प्रद के प्रत्याशी के रूप में भारत का समर्थन किया था।

तुवालू के लिए (जिसका सबसे ऊँचा स्थान भी समुद्र से केवल चार मीटर ऊँचा है), जलवायु परिवर्तन एक बड़ी चिंता है। तुवालू ने अमेरिका और 'बेसिक' देशों द्वारा तैयार किए गए कोपनहेगन अकॉर्ड ऑन क्लाइमेट चेंज (जो 15 दिसंबर, 2009 को कॉप,15 में हुआ था), की आलोचना की थी।

भारत सरकार ने सभी प्रशांत द्वीपसमूह देशों के लिए वर्ष 2006 में पोस्ट फोरम डायलॉग पार्टनर्स मीटिंग के दौरान 100,000 यूएस डॉलर और परवर्ती वर्षों के दौरान (2009 के बाद से 125,000 यूएस डॉलर) सहायता अनुदान की घोषणा की थी। इस अनुदान का उपयोग प्रिंसेस मार्गरेट हॉस्पिटल, जो राजधानी फुनाफुटी में स्थित एकमात्र सरकारी अस्पताल है, के लिए सितंबर 2007 और मार्च 2009 में क्रमश: कम्प्यूटर तथा दवाइयां एवं चिकित्सा उपकरण प्रदान करने के लिए किया गया है, जिनकी लागत 116,712 यूएस डॉलर थी।

वर्ष 2012 में दो चेन-सॉ की आपूर्ति की गई थी। भारत सरकार ने मार्च 2013 में एक लॉन-मोवर और एक ग्रास-कटर की आपूर्ति के लिए निधियां प्रदान की थीं। भारत सरकार प्रिंसेस मार्गरेट हॉस्पिटल के लिए चिकित्सा/ डेंटल उपकरण की आपूर्ति तथा लोफीगई कम्यूनिटी चर्च के लिए कार्यालय उपकरण के प्रापण के लिए विचार कर रही है। भारत सरकार ने प्रिंसेस मार्गरेट हॉस्पिटल, फुनाफुटी के लिए नई एम्बुलेंस की खरीद के लिए सितंबर, 2014 में तथा प्रिंसेस मार्गरेट हॉस्पिटल, फुनाफुटी के लिए चिकित्सा उपकरणों की खरीद के लिए अक्टूबर, 2014 में निधियां मंजूर की हैं।

तुवालू के चार अधिकारियों ने वर्ष 2012-13 में और सात अधिकारियों ने वर्ष 2013-14 में भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षण सुविधाएं प्राप्त की।

तुवालू के तीन छात्रों ने वर्ष 2011-12 में और पांच छात्रों ने वर्ष 2012-13 में आईसीसीआर की सामान्य सांस्कृतिक छात्रवृत्ति योजना प्राप्त की। वर्ष 2013-14 के लिए पांच स्लॉट तुवालू को प्रदान किए गए थे जिनका पूरी तरह उपयोग कर लिया गया है।

राइट ऑनरेबल सर कामुता लतासी, स्पीकर ऑफ पार्लियामेंट, तुवालू ने 4-8 जनवरी 2010 तक नई दिल्ली में 20वें कॉन्फ्रेंस ऑफ कॉमनवेल्थ स्पीकर्स में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया था। मिस्टर मैनागर ताओपे, मैनेजर, तुवालू को-ऑपरेटिव सोसायटी ने 8-12 मार्च 2010 को नई दिल्ली में आयोजित मिशन प्रमुखों की सेमिनार में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया था। अक्टूबर, 2010 में नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वीन्स बैटन रिले (क्यूबीआर) 29-30 मई 2010 को तुवालू से गुजरी थी।

भारत ने इब्सा ट्रस्ट फंड के अंतर्गत तुवालू में चलाई जाने वाली अपशिष्ट प्रबंधन परियोजनाओं में सहयोग करने का प्रस्ताव दिया है।

जनवरी, 2011 में नाडी, फीजी में एफएसआई द्वारा प्रशांत क्षेत्र के राजनयिकों के लिए आयोजित विशेष पाठ्यक्रम में तुवालू के दो राजनयिकों ने भाग लिया। श्रीमती मिसालइमा नीलसन, स्थायी सचिव, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, तुवालू सरकार ने जुलाई 2013 में लोक उद्यम संस्थान द्वारा नई दिल्ली में आयोजित सरकारी कार्य-निष्पादन प्रबंधन संबंधी अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

भारत सरकार ने तुवालू में गंभीर सूखे के बाद जल भंडारण, आपूर्ति एवं प्रबंधन के लिए फरवरी 2012 में 100,000 यूएस डॉलर का योगदान किया।

श्रीमती मिसालइमा नीलसन, स्थायी सचिव, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, तुवालू सरकार ने आईटीईसी कार्यक्रम के अंतर्गत 1 से 12 जुलाई 2013 तक लोक उद्यम संस्थान द्वारा नई दिल्ली में आयोजित सरकारी कार्य-निष्पादन प्रबंधन संबंधी अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

श्री दीपक जैन 2013 से नई दिल्ली में तुवालू के मानद काउंसल जनरल हैं।

नई दिल्ली में नए तुवालू काउंसलेट कार्यालय की शुरुआत के लिए अगस्त 2013 में विदेश मंत्री टॉकेलिना फिनिकासो के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने भारत का दौरा किया।

23 से 25 अक्टूबर, 2013 तक नई दिल्ली में एशिया और प्रशांत में बाल अधिकारों के लिए दक्षिण-दक्षिण सहयोग विषयक द्वितीय उच्च स्तरीय बैठक में भाग लेने के लिए फुओमा मानी, शिक्षा, युवा एवं खेल मंत्री के नेतृत्व में तुवालू के शिष्टमंडल ने भारत का दौरा किया था।

तुवालू के प्रधान मंत्री, ईनील सोजेन सोपोआगा 29 नवंबर 2013 को उच्चायोग द्वारा आयोजित आईटीईसी दिवस 2013 में सम्मानित अतिथियों में से एक थे।

माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 14 प्रशांत देशों की भागीदारी में 19 नवंबर, 2014 की यात्रा के दौरान सुवा (फीजी) में भारत-प्रशांत द्वीपसमूह फोरम सम्मेलन की मेजबानी की। गवर्नर जनरल सर इटालेली लाकोबा के नेतृत्व में टोंगा के शिष्टमंडल ने सम्मेलन में भाग लिया। प्रशांत देशों (तुवालू सहित) के संबंध में 19 नवंबर, 2014 को माननीय प्रधान मंत्री द्वारा की गई घोषणाएं निम्नलिखित हैं: (i) 1 मिलियन डॉलर का एक विशेष एडेप्टेशन फंड स्थापित करना, (ii) टेली-मेडीसिन और टेली-एजुकेशन के लिए पैन-पेसिफिक द्वीपसमूह परियोजना का विकास, (iii) प्रशांत द्वीपसमूह के देशों - "कुक आईलैण्ड्स, टोंगा साम्राज्य, टुवालू, नॉरू गणराज्य, किरीबाती गणराज्य, वनाउतू, सोलोमन आईलैण्ड्स, समोआ, नियू, पलाऊ गणराज्य, माइक्रोनेशिया संघीय राज्य, मार्शल आइलैण्ड्स गणराज्य, फीजी और पापुआ न्यू गिनी" के लिए भारत आगमन पर वीजा, (iv) अपने विकास सहयोग को अपेक्षाकृत अधिक व्यापक बनाने के लिए प्रशांत द्वीपसमूह के देशों को प्रदान किए जाने वाले वार्षिक सहायता अनुदान को बढ़ा कर 200,000 डॉलर करना, (v) प्रशांत द्वीपसमूह फोरम के देशों के लिए भारत में व्यापार कार्यालय की स्थापना, (vi) प्रशांत द्वीपसमूह फोरम के देशों के लिए आईटीपीओ द्वारा आयोजित प्रदर्शनियों के दौरान कम्प्लीमेंट्री स्थान उपलब्ध कराना, (vii) आईटीईसी विशेषज्ञों, जिनमें कृषि, स्वास्थ्य देखभाल और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों के विशेषज्ञ शामिल हैं, की प्रशांत द्वीपसमूह देशों में प्रतिनियुक्ति, (viii) प्रशांत द्वीपसमूह देशों के राजनयिकों के लिए प्रशिक्षण आयोजित करना, (ix) प्रशांत द्वीपसमूह देशों के लिए विशिष्ट विजिटर कार्यक्रम आरंभ करना, (x) भारत और प्रशांत द्वीपसमूह के नेताओं की आगामी शिखरवार्ता का 2015 में भारत में आयोजन, (xi) लोगों के जीवन स्तर और सम्प्रेषण में सुधार के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों के उपयोग में सहयोग, (xii) जलवायु परिवर्तन के अनुवीक्षण, आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंध एवं संसाधन प्रबंधन के लिए आंकड़ों के आदान-प्रदान की संभावनाएं तलाश करना, और (xiii)

**परंपरागत चिकित्सा में अनुसंधान; इस क्षेत्र के लोगों के लाभार्थ स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं के विकास के लिए संयुक्त अनुसंधान करना।**

## उपयोगी स्रोत:

**भारतीय उच्चायोग, सुवा की वेबसाइट:** http://www.indianhighcommissionfiji.org
**भारतीय उच्चायोग, सुवा का फेसबुक पेज**: https://www.facebook.com/HicomindSuva
**भारतीय सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय उच्चायोग, सुवा का फेसबुक पेज**: https://www.facebook.com/ICCHighcomindSuva

*****

**दिसम्बर, 2014**